परिशिष्टः

टिप्पणियाँ

1. महात्मनः संस्मरणानि

लेभे = ग्रहण किया। **सदाचारैकप्रवणः** = सदाचार-परायण। **गतगर्वः** = अभिमानशून्य। **प्रभृति** = इत्यादि। **क्रियानुयाता** = क्रियाओं का अनुसरण करनेवाली। **संक्रमणम्** = प्रभाव। **नियतपाठाभ्यासी** = निरन्तर पाठों का अभ्यास करनेवाला। **हरिश्चन्द्राभिधे** = हरिश्चन्द्र नामक। **आचकांक्ष** = इच्छा की। **कियानपि** = कितना भी। **अकार्षुः** = कर दिया। **नाशक्नोत्** = न कर सका। **श्यामपट्ट** = श्यामपट (ब्लैक बोर्ड)। **अनुकर्तुम्** = नकल करने के लिए। **इंगितेन** = इशारे से। **स्वान्तेवासिनम्** = अपने शिष्य को। **प्रेरयामासुः** = प्रेरित किया। **अवृणोत** = चुना। **अवाप्नोत्** = प्राप्त किया। **अन्वभवत्** = अनुभव किया। **यावच्छक्यमधीत्य** = यथासम्भव पढ़कर। **निरामिषत्वम्** = मांसहीनता। **पोतम्** = पानी का जहाज। **भारवाहक** = कुली। **प्रथितः** = प्रसिद्ध। **धूम्रयानेन** = रेलगाड़ी से। **निदर्शनपत्रम्** = टिकट। **निर्दिष्टस्थाने** = स्टेशन पर। **व्यरमत्** = रुको, रुका। **अक्षिपत्** = फेंक दिया। **वेपमान** = काँपते हुए। **उन्मूलयितुम्** = उन्मूलन (जड़ से उखाड़ने) करने के लिए। **गरीयसी** = बढ़कर। **सुकरतया** = सरलता से। **गौरांगैः** = अंग्रेजों के द्वारा। **आत्मोत्सर्गम्** = आत्मत्याग। **पञ्चनदप्रान्ते** = पंजाब प्रान्त में। **कशाभिः** = कोड़ों से। **तत्याज** = त्याग दिया। **उपार्जयत्** = इकट्ठा किया। **निरक्षराणाम्** = निरक्षरों के। **प्रज्वालयामास** = जलाया। **ऊर्ध्वमुखः** = ऊपर की ओर मुख करके। **परिधानं** = वस्त्र धारण (करना)।

2. कारुणिको जीमूतवाहनः

पिधाय = ढक कर। **चिरयति** = देर कर रहा है। **दुर्निमित्तेन** = अपशकुन से। **असन्निहितः** = विद्यमान नहीं है। **लघ्वेव** = शीघ्र ही। **उत्खाय** = उखाड़कर। **नीयमानः** = ले जाते हुए। **उज्झित्वा** = छोड़कर। **अस्थान** = अनुचित स्थान। **जह्याताम्** = छोड़ दें। **प्रत्युत** = उसके विपरीत। **ससम्भ्रमम्** = घबराकर। **उपसर्पामि** = पास जाता हूँ। **वेपते** = काँप रहा है। **अन्वेष्टुम्** = पता लगाने हेतु। **विप्लवः** = व्याकुल। **व्यापादयामि** = मारता हूँ। **अलीकवादिनी** = मिथ्यावादिनी। **वामाक्षिस्पन्दम्** = बायीं आँख फड़कना। **वैनतेय** = गरुड़। **गरुत्मते** = गरुड़ के लिए। **विद्याधर** = देवयोनि। **अनभ्रा** = बिना बादलों के। **कृताञ्जलिना** = हाथ जोड़े हुए (द्वारा)। **प्रणमामि** = प्रणाम करता हूँ। **दिष्ट्या** = सौभाग्य से। **एह्योति** = आओ।

3. धैर्यधनाः हि साधवः

परमनिपुणमतिः = परम निपुण बुद्धिवाला। **नौसारथिः** = नौकाओं के बेड़े का सहचालक। **प्रकृतिमेधावित्वात्** = स्वभाव से बुद्धिमान होने के कारण। **शास्त्रातिशयम्** = शास्त्रों की अधिकता को। **असम्मूढमतिः** = बुद्धिमान्, चतुर। **सायांत्रिकाः** = नाविकजन। **परिविदितनियतागन्तुकौत्पतिकानिमित्तः** = अवश्यम्भावी एवं असामयिक आपदाओं से बचने के उपायों के जानकार। **कालाकालक्रमकुशलः** = समय-असमय के कर्त्तव्य निश्चित करने में कुशल। **स्मृतिमान्** = स्मरण शक्तिवाला। **विजिततन्द्रीनिद्रः** = आलस्य एवं निद्रा को जीतनेवाला। **शीतोष्णवर्षादि-परिखेदसहिष्णुः** = शीत-ग्रीष्म-वर्षा आदि ऋतुओं के कष्टों को सह सकनेवाला। **अप्रमादी** = आलस्यहीन। **ईप्सितं** = अभीष्ट। **प्राणयिता** = पहुँचानेवाला। **सुपारगः** = अन्यों को सरलता से पार पहुँचाने में सक्षम। **यात्रासिद्धिकामैः** = यात्रा में सफलता प्राप्त करने के इच्छुक। **वहनारोहणार्थम्** = जहाज पर चढ़ाने हेतु। **पराक्रमासहत्वे** = (वृद्धावस्था के कारण) परिश्रम न कर सकनेवाले। **अवजगाहिरे** = समुद्र में अवगाहन करने (पर)। **दुरापपातालम्** = दुष्प्राप्य पाताल। **अप्रमेयं** = जिसे मापा न जा सके (अथाह)। **महदौत्पातिकम्** = अत्यधिक अमंगलकारी।

4. यौतुकः पापसञ्चयः

भणसि = कहते हो। **चतुर्वर्षैः** = चार वर्षों से। **वराकी** = बेचारी। **रता** = लगी हुई। **कनिष्ठ पुत्रवधू** = छोटे पुत्र की

पत्नी। **प्रेषिते** = भेजी गयी (द्विवचन)। **नापेक्ष्यते** = उचित नहीं है। **आकारितोऽसि** = बुलाये गये हो। **वृता** = वरण की गयी। **प्रवसादुपावृत्तम्** = प्रवास से लौटे हुए। **प्रत्युत्तरिष्यसि** = प्रत्युत्तर दोगे। **सम्प्रदत्तायाः** = दी गयी (वस्तु) का। **वोढुम्** = वहन करने हेतु। **अकिञ्चनः** = निर्धन। **कुबेर** = धन का देवता (धनी)। **अवगन्तुम्** = जानने का (के लिए)। **प्रयतस्व** = प्रयत्न करो। **माधिक्षिपतु** = लाञ्छन मत लगाओ। **प्रदेया** = देनी चाहिए। **आप्ताः** = दुःखी। **अन्तः प्रकोष्ठात्** = अन्दर भवन से। **स्थूलकाया** = स्थूल शरीरवाली। **उत्थापयति** = उठाती है। **भोक्तव्यमेव** = भोगना ही चाहिए। **परिचारिकाणाम्** = सेवा करनेवाली नारियों (नर्सों) की। **नाल्पत्वम्** = कमी नहीं है। **हितैषिणः** = हित चाहनेवालों का। **अपनीतम्** = दूर कर दिया। **रक्तस्रावाधिक्येन** = अधिक रक्त बहने के कारण। **श्लाघ्य** = प्रशंसनीय। **व्रणैः** = घावों से। **प्रवासप्रत्यागमनपर्यन्तम्** = विदेश से लौट आने तक। **न्याससरूपेण** = धरोहर के रूप में।

5. भोजस्य शल्यचिकित्सा

तटाकाम्भसम् = तालाब का जल। **शफरशावः** = एक छोटी चमकीली मछली। **विकटकरोटिका** = विशाल। **संमताक्षराम्** = सोच-विचार कर बोले गये अक्षरोंवाली। **भिषग्वरः** = श्रेष्ठ वैद्य। **नासत्यौ** = अश्विनीकुमार। **पाठीन** = छोटी मछलियाँ। **सन्धानकरण्या** = शल्यचिकित्सालय हेतु प्रयुक्त सुई। **वसम्** = निवास। **भेषजकोषान्** = दवा रखने का पात्र। **अस्रासार** = धाराप्रवाह-अश्रु। **पुरन्दर** = इन्द्र। **तुरीयं** = चतुर्थ।

6. ज्ञानं पूततरं सदा

प्राज्यविक्रमः = अति पराक्रमी। **पञ्चत्वम् गतायाम्** = मर जाने पर। **जग्राह** = ग्रहण (धारण) किया। **राज्यार्ह** = राज्य के योग। **असद्भाव** = न होने से। **जहर्ष** = प्रसन्न किया। **मृगयारसात्** = शिकार के सिलसिले में। **तपनतेजसम्** = सूर्य की भाँति तेजस्वी। **अवतारितबालकम्** = बालक को उतारे हुए। **जगाद** = बोला। **व्यधुः** = दी। **व्यपद्यत** = मर गयी। **वर्धितः** = पाला है (बढ़ाया है)। **महासत्त्वम्** = महाबलशाली। **गुह्यके** = यक्ष के। **प्रत्याययौ** = लौट आया। **ऊढो** = उठा रखा था। **न्यवेशत्** = (सिंहासन) पर बैठाया। **अद्ध्यास्त** = रहा। **सहेलम्** = जलकेलि में। **क्लममभ्यगात्** = थक गयी। **शब्दशास्त्रविदा** = शब्दशास्त्र की ज्ञाता। **जातावमानः** = अपमानित होकर। **मुह्यन्** = छोड़ते हुए। **सम्भ्रान्तः** = व्याकुल हो गये। **राजचेटक** = राजसेवक। **विलक्षीकृतः** = अस्वस्थ कर दिया है। **व्याधिः** = शारीरिक रोग। **आधिः** = मानसिक रोग। **निहतकण्टके** = कण्टकरहित (विद्रोहियों को कुचल कर)। **विपक्षः** = शत्रु। **मौख्र्यानुतापतः** = मूर्खता के कारण पश्चात्ताप। **अतिवाह्य** = बिताकर। **अन्योन्यम्** = परस्पर। **विमनाः** = अस्वस्थ। **धवलाम्बरा** = श्वेतवस्त्रधारिणी। **माणवकम्** = बालक। **अस्तमौनः** = मौन त्यागकर। **असम्भाव्यम्** = अनहोनी। **द्वादशाब्दान्** = बारह वर्षों तक। **सुदुस्तराम्** = अति कठिन। **सेत्स्यति** = अवश्य पूरी होगी। **अवारयत्** = रोका। **आमन्त्र्य** = विचार कर। **व्यसर्जयत्** = भेजा। **शरीरनिक्षेपेण** = शरीर की चिन्ता न करते हुए। **पारमेश्वरः** = परमेश्वर का। **प्रादुरासन्** = उपस्थित हो गयी। **व्यधात्** = कर दिया।

7. वयं भारतीयाः

आवर्जयति = आकर्षित करता है। **वीथिका** = गली। **रंजनराग** = रँगने का रंग। **रञ्जिता** = रँगे हुए। **प्रसरति** = फैलता है। **आर्त्तजनानाम्** = दुःखी लोगों के। **परमकारुणिकः** = अति दयालु। **परिहारः** = निवारण। **उपादेयाः** = उपयोगी। **सिध्यन्ति** = सिद्ध होते हैं। **निर्धारिता** = निश्चित किये। **आर्त्ति** = दुःख। **हरणाय** = दूर करने के लिए। **परित्राणाय** = रक्षा के लिए। **आत्मोत्सर्गम्** = आत्मत्याग। **अप्रतिमम्** = अद्वितीय। **निदर्शनम्** = उदाहरण। **ख्रीष्टधर्मः** = ईसाई-धर्म। **निवारणाय** = दूर करने के लिए। **अपसर्पति** = दूर हटता है। **क्षुत्प्रपीडितः** = भूख से व्याकुल। **चलचित्रावलोकनाय** = सिनेमा देखने के लिए। **भण** = कहो। **शल्यचिकित्सा** = ऑपरेशन। **अपेक्षते** = जरूरत है। **तत्परः** = तैयार। **विरमन्ति** = रुक जाते हैं (अलग हो जाते हैं)। **प्राणानपणीकृत्यापि** = जान की बाजी लगाकर भी। **झटिति** = शीघ्र ही। **वचनमाक्षिप्य** = बात काट कर। **श्लाघनीयम्** = प्रशंसनीय। **गन्तव्यम्** = लक्ष्य। **आपद्गतम्** = आपत्ति में पड़ने पर। **एकत्रसंचयेन** = एक जगह संग्रह से। **दीर्घसूत्रिका** = सेंवई।

●